तलाक के बाद फिर साथ दिखे ईशा और भरत

अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाईं हुई हैं. हाल ही में ईशा देओल को खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया.

बॉलीवुड के एवरग्रीन कपल धर्मेंद्र और हेमा मालिनी की बेटी अभिनेत्री ईशा देओल फिर से अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर सोशल मीडिया पर छाईं हुई हैं. हाल ही में ईशा देओल को अपने खास दोस्तों के साथ लंच आउटिंग पर देखा गया. इस दौरान ईशा के साथ उनके एक्स हसबैंड भरत तख्तानी भी उनके साथ दिखाई दिए. जिसकी फोटो सोशल मीडिया पर जमकर वायरल हो रही है. बता दें कि ईशा देओल और उनके पति भरत तख्तानी शादी के11 साल बाद आपसी सहमति से 6 फरवरी 2024 को अलग हो गए थे.

टीवी एक्ट्रेस स्मृति खन्ना ने अपने इंस्टाग्राम पर लंच आउटिंग की स्टोरी शेयर की. जहां स्मृति और उनके दोस्त अपने पति के साथ लंच का लुफ्त उठाते दिखाई दिए. फोटो को शेयर करते हुए स्मृति ने लिखा कि 'मस्ती भरी दोपहर और सानदार गॉसिप...धन्यवाद ईशा'. हालांकि इस लंच के दौरान इनके साथ राकुल प्रीत सिंह, जायद खान और मल्ज खान नहीं नजर आए.

दिग्विजय पर हाथ उठाएगा गौतम शो में होगी एक नए किरदार की एंट्री

टीवी सीरियल अनुपमा के अपकमिंग एपिसोड में आप देखेंगे कि वसुंधरा कोठारी और गौतम गांधी घटियापन की हद पार कर देंगे. अनुपमा और दिग्विजय को परेशान करने के लिए वसुंधरा इस हद तक गिर जाएगी, कि वो गोवा जाकर दिग्विजय के बेटे रणविजय से हाथ मिला लेगी. शो में जल्द ही रणविजय के किरदार में एक नए एक्टर की एंट्री होने वाली है. वजह यह, कि बीते कुछ वक्त में मेकर्स ने रणविजय के नाम पर चर्चा काफी बढ़ाई है. अब जब वसुंधरा और गौतम गोवा जाकर उससे मिलकर भी आए हैं, तो उससे जुड़े ट्विस्ट जल्द ही बढ़ाए जाएंगे. सीरियल के नए प्रोमो वीडियो में दिखाया गया है कि वसुंधरा कोठारी एक बार फिर अपनी बहू ख्याति को बेइज्जत करती नजर आएगी. दरअसल वसुंधरा कोठारी अपने दामाद गौतम के साथ गोवा जाकर आई होगी यह बात ख्याति को पता चल जाएगी. वह जब वसुंधरा से इस बारे में सवाल करेगी तो मोटी बा बहुत बदतमीजी भरे लहजे में उसे जवाब देगी, 'हम लोग गोवा कब गए, क्यों गए, ये हम तुम्हें बताना जरूरी नहीं समझते ख्याति.' वसुंधरा अपनी बहू को बुरा भला कह ही रही होगी, कि दरवाजे की तरफ से एक बुलंद आवाज सुनाई पड़ेगी- तो मुझे बता दीजिए. यह आवाज और किसी की नहीं, बल्कि दिग्विजय सूद की होगी.

निर्देशक इम्तियाज अली ने सोशल मीडिया पर मांगी माफी

फिल्म निर्माता इम्तियाज अली ने फिल्म 'कॉकटेल' की कास्टिंग के दौरान दीपिका पादुकोण की इमेज को लेकर की गई अपनी एक टिप्पणी पर सार्वजनिक रूप से स्पष्टीकरण दिया है. इस बयान के बाद सोशल मीडिया पर हो रही आलोचनाओं के बीच इम्तियाज ने कहा कि उनकी बातें महज हंसी-मजाक का हिस्सा थीं और उनका मकसद किसी को ठेस पहुँचाना नहीं था. उन्होंने स्पष्ट किया कि वे दीपिका का बेहद सम्मान करते हैं.

इम्तियाज अली ने इंस्टाग्राम पर एक नोट साझा करते हुए कहा कि उन्हें किसी ने बताया था कि उनके शब्दों को गलत समझा जा सकता है और इससे दीपिका आहत हो सकती हैं. उन्होंने लिखा, 'मेरी प्यारी दीपिका, तुम मेरी दोस्त हो और तुम्हें पता है कि मैं तुम्हारी कितनी कद्र करता हूँ. मैं कोई जोखिम नहीं लेना चाहता था, इसलिए यह सार्वजनिक सफाई दे रहा हूँ.' निर्देशक ने दीपिका के प्रति अपना गहरा लगाव और सराहना व्यक्त की है.

विवाद उस समय शुरू हुआ जब इम्तियाज ने बताया था कि उन्होंने दीपिका को पहले मीरा के किरदार के लिए ऑडिशन देने को कहा था, जो बाद में डायना पेंटी ने निभाया. बाद में, दीपिका ने उनसे वेरोनिका के किरदार के लिए बात की, जो उनकी उस समय की 'अच्छी लड़की' वाली पब्लिक इमेज से बिल्कुल अलग था.

इम्तियाज ने कहा कि वे दीपिका के बेबाक व्यक्तित्व को करीब से जानते थे, इसलिए उन्होंने उन्हें इस चैलेंजिंग भूमिका के लिए चुना.

'वेलकम टू द जंगल' का गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज

फिल्म 'वेलकम टू द जंगल' का नया गाना 'घिस घिस घिस' रिलीज हो गया है. यह गाना बॉलीवुड और भोजपुरी तड़के का ऐसा धमाकेदार संगम है, जो प्लेलिस्ट, शादियों और सोशल मीडिया रील्स पर छाने के लिए पूरी तरह तैयार है.इस गाने की सबसे खास बात है अक्षय कुमार और भोजपुरी सुपरस्टार अक्षरा सिंह की दमदार जोड़ी, जिनकी केमिस्ट्री और स्क्रीन प्रेज़ेंस इस गाने में अलग ही आग लगा देती है. अक्षय कुमार इस गाने में बिल्कुल अलग अंदाज़ में नजर आ रहे हैं. अपने कूल डांस मूव्स के लिए पहचाने जाने वाले अक्षय इस बार देसी और रस्टिक अवतार में पूरी तरह छा गए हैं.

विक्रम मोंट्रोस द्वारा कंपोज़ किया गया 'घिस घिस घिस' हाई एनर्जी, देसी स्वैग और फुल ऑन मस्ती से भरपूर एंटरटेनर है. विक्रम मोंट्रोस और सुप्रिया पाठक की दमदार आवाज़ों के साथ, अभिनव शेखर द्वारा लिखे गए बोल इस गाने में 'वेलकम' फ्रेंचाइज़ी की वही रंगीन, शोरगुल वाली और एंटरटेनिंग दुनिया को ज़िंदा करते हैं, जिसे दर्शक बेहद पसंद करते हैं.

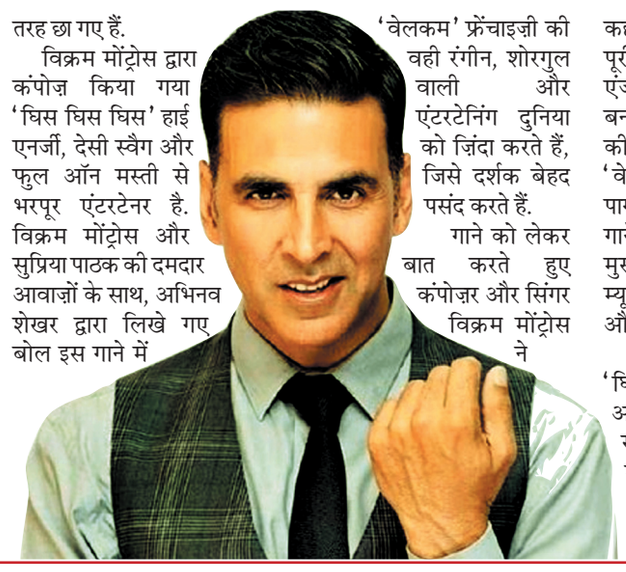

गाने को लेकर बात करते हुए कंपोज़र और सिंगर विक्रम मोंट्रोस ने कहा, ''घिस घिस घिस' को हम पूरी तरह बेफिक्र और खुलकर एंजॉय किए जाने वाला गाना बनाना चाहते थे. इसमें बॉलीवुड की एनर्जी, भोजपुरी फ्लेवर और 'वेलकम टू द जंगल' का पागलपन सबकुछ एक साथ है.' गाने का हुक आइडिया इश्तेयाक मुस्ताक का है, जबकि इसका म्यूज़िक प्रोडक्शन आकाश यादव और विक्रम मोंट्रोस ने किया है.

जंगली म्यूज़िक द्वारा प्रस्तुत 'घिस घिस घिस' अब सभी प्रमुख ऑडियो प्लेटफॉर्म्स पर स्ट्रीम हो रहा है, जबकि इसका फुल म्यूज़िक वीडियो टाइम्स म्यूज़िक के यूट्यूब चैनल पर रिलीज किया गया है.

फिल्म 'गांधी बाजार संडे मार्केट' की शूटिंग हुई शुरू

अभिनेता बाबिल खान ने अपनी पहली मलयालम फिल्म गांधी बाज़ार संडे मार्केट की शूटिंग शुरू कर दी है. इस फिल्म का निर्देशन मशहूर फिल्ममेकर बाबू जनार्दनन कर रहे हैं और यह फिल्म बाबिल के करियर में एक खास पड़ाव मानी जा रही है.फिल्म में अपर्णा बालमुरली, दीपक परंबोल, निखिल नायर, जॉनी एंटनी, जगदीश, सुधीर करमाना, अथ्मिया राजन और जयशंकर समेत कई शानदार कलाकार नज़र आएंगे.

बाबिल खान ने कहा, 'मलयालम सिनेमा हमेशा मेरे दिल के बहुत करीब रहा है क्योंकि वहां कहानियां बेहद ईमानदारी, संवेदनशीलता और भावनात्मक गहराई के साथ दिखाई जाती हैं. एक अभिनेता के तौर पर मैं हमेशा मानता हूं कि असली विकास तब होता है जब आप खुद को किसी नई दुनिया, नए लोगों और नई भावनाओं के हवाले कर देते हैं. सिलिगुड़ी में गांधी बाज़ार संडे मार्केट की शूटिंग शुरू करना मेरे लिए बेहद रोमांचक, भावुक और रचनात्मक रूप से संतोष देने वाला अनुभव है.'

बाबिल खान ने कहा, 'बाबू सर के साथ काम करना और इतने शानदार कलाकारों के साथ स्क्रीन साझा करना मेरे लिए बहुत खास अनुभव होने वाला है. मैं हमेशा ऐसी कहानियों का हिस्सा बनना चाहता था जो लोगों पर गहरा असर छोड़ें और मुझे सिर्फ एक अभिनेता ही नहीं बल्कि एक इंसान के तौर पर भी बेहतर बनने की चुनौती दें. यह फिल्म मुझे वही मौका दे रही है. मलयालम सिनेमा में कदम रखना मेरे करियर का सिर्फ नया अध्याय नहीं है, बल्कि एक ऐसा सफर है जिसे शुरू करने के लिए मैं खुद को बेहद भाग्यशाली और विनम्र महसूस करता हूं.'

दिव्यांका त्रिपाठी के घर गूंजी किलकारी

टेलीविजन इंडस्ट्री से एक बड़ी और दिल को छू लेने वाली खबर सामने आई है. मशहूर टीवी एक्ट्रेस दिव्यांका त्रिपाठी और उनके पति विवेक दहिया के घर खुशियों की डबल एंट्री हुई है. शादी के लगभग 10 साल बाद यह कपल माता-पिता बन गया है और उन्होंने जुड़वा बेटों का स्वागत किया है. सोशल मीडिया पर इस खबर के आते ही फैंस और टीवी इंडस्ट्री में खुशी की लहर दौड़ गई है.

दिव्यांका और विवेक ने यह खुशखबरी अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक खास पोस्ट के जरिए शेयर की. पोस्ट में दो छोटे बच्चों की तस्वीर दिखाई गई है, जो हल्के नीले रंग के कपड़ों में हैं. हालांकि बच्चों का चेहरा फिलहाल सामने नहीं लाया गया है. इस पोस्ट के साथ कपल ने लिखा कि उन्होंने खुशियां मांगी थीं और भगवान ने उन्हें दोगुनी खुशी दे दी है. पोस्ट में लिखा गया संदेश बेहद सरल लेकिन दिल को छू लेने वाला था. कपल ने बताया कि उन्होंने जीवन में खुशियों की उम्मीद की थी, लेकिन उन्हें डबल गिफ्ट मिला है. मेरे करण अर्जुन आ गए. उन्होंने आगे लिखा हमने खुशियां मांगी थीं, भगवान ने हमें दोगुनी खुशी दे दी. विवेक दहिया ने अपने पोस्ट में यह भी लिखा कि लंबे इंतजार के बाद यह पल उनके जीवन का सबसे खास मोड़ है.

जैसे ही यह खबर सामने आई, सोशल मीडिया पर बधाईयों का सिलसिला शुरू हो गया. टीवी इंडस्ट्री के कई बड़े नामों ने इस कपल को शुभकामनाएं दीं. कमेंट करते हुए लिखा कि यह खबर बेहद खुशी देने वाली है और दोनों को ढेर सारी बधाई. फैंस ने भी सोशल मीडिया पर कमेंट्स की झड़ी लगा दी.

किसी ने इसे ब्लेसिंग मोमेंट कहा तो किसी ने इसे लव स्टोरी का सबसे खूबसूरत चैप्टर बताया.

शूटिंग से पहले ही डॉन 3 पर संकट

धुरंधर की सक्सेस के बाद रणवीर सिंह का करियर ऊंचाइयों को छू रहा है लेकिन इसी बीच रणवीर सिंह अपनी गलती की वजह से फंस गए हैं. खबर कुछ ऐसी है कि फरहान अख्तर की डॉन 3 की शूटिंग शुरू होने वाली थी कि 3 हफ्ते पहले ही रणवीर सिंह ने मूवी को छोड़ दिया. इसी के बाद से सारी परेशानी की शुरुआत हो गई. अब इस विवाद ने नया मोड़ ले लिया है. फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉइज में शिकायत दर्ज होने के बाद रहाँ अख्तर ने कड़ा कदम उठाते हुए रणवीर सिंह पर बैन लगाने का फैसला किया है.

इस दौरान अशोक पंडित ने खुलासा किया कि फरहान अख्तर की कंपनी ने रणवीर सिंह से करीब 45 करोड़ रुपये के मुआवजे की मांग की है.

सायंतनी घोष ने माया की कहानी के जरिए दिया खास संदेश

जगद्धात्री की सायंतनी घोष ने माया की कहानी के जरिए दिया खास संदेश, बोलीं 'कोई भी बच्चा जज़्बाती तकलीफ डिजर्व नहीं करता' ज़ी टीवी का 'जगद्धात्री' अपने इंटेंस ड्रामे, जज़्बाती ट्विस्ट और दिलचस्प कहानी के साथ लगातार दर्शकों को बांधे हुए है. शो में सस्पेंस और फैमिली ड्रामे के बीच हाल ही में माया, यानी सायंतनी घोष और शरद, यानी अजय सिंह चौधरी की कहानी ने दर्शकों को खास तौर पर जज़्बाती कर दिया है. दोनों के रिश्ते में आई दूरियां और अलगाव अब उनकी बेटी गुंजन, यानी परी भनुशाली पर गहरा असर डाल रहे हैं. यह कहानी एक ऐसी सच्चाई सामने ला रही है, जिससे कई परिवार खुद को जोड़कर देख सकते हैं. इस जज़्बाती ट्रैक के जरिए सायंतनी घोष यह दिखाने की कोशिश कर रही हैं कि माता-पिता के बीच की गलतफहमियां और झगड़े बच्चों पर कितनी गहरी जज़्बाती छाप छोड़ सकते हैं, खासकर उन बच्चों पर जो अपने मन की बात खुलकर कह नहीं पाते. हाल के एपिसोड्स में दर्शकों ने देखा कि माया और शरद अलग रह रहे हैं, हालांकि उनका तलाक नहीं हुआ है.

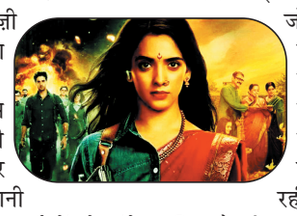

कृषि जगत

वन तुलसी सेहत के लिए प्राकृतिक वरदान

आयुर्वेद में तुलसी को बेहद पवित्र और औषधीय पौधा माना जाता है, लेकिन वन तुलसी की बात करें तो इसके फायदे और भी ज्यादा बताए जाते हैं. बदलते मौसम, बढ़ते प्रदूषण और खराब लाइफस्टाइल के बीच लोग अब प्राकृतिक और आयुर्वेदिक उपायों की तरफ तेजी से लौट रहे हैं. ऐसे में वन तुलसी सेहत के लिए किसी वरदान से कम नहीं मानी जाती.

इसकी पत्तियों में मौजूद औषधीय गुण शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में मदद करते हैं और कई सामान्य बीमारियों से बचाव भी करते हैं. वन तुलसी का नियमित सेवन सर्दी-जुकाम, खांसी, गले की खराश और वायरल संक्रमण जैसी समस्याओं में राहत देता है. यही वजह है कि अब लोग घरों में इसे उगाने लगे हैं. खास बात यह है कि वन तुलसी को उगाना बेहद आसान है और इसकी देखभाल में ज्यादा मेहनत भी नहीं लगती. कम जगह और सीमित संसाधनों में भी यह पौधा आसानी से तैयार हो जाता है. वन तुलसी को औषधीय गुणों का खजाना माना जाता है. आयुर्वेद विशेषज्ञों के अनुसार इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीवायरल और एंटीऑक्सीडेंट गुण पाए जाते हैं, जो शरीर को कई संक्रमणों से बचाने में मदद करते हैं.

अरहर की खेती में अपनाएं नई तकनीक

मिट्टी, बीज और सिंचाई का सही प्रबंधन है जरूरी

देश में दालों की बढ़ती मांग के बीच अरहर की खेती किसानों के लिए फायदे का सौदा बनती जा रही है. खासकर खरीफ सीजन में इसकी खेती से अच्छी पैदावार और बेहतर मुनाफा मिलने की उम्मीद रहती है. यही वजह है कि अब बड़ी संख्या में किसान पारंपरिक फसलों के साथ अरहर की खेती की तरफ भी तेजी से रुख कर रहे हैं. कृषि विशेषज्ञों का मानना है कि अगर सही समय पर बुवाई और वैज्ञानिक तरीके अपनाए जाएं, तो किसान कम लागत में बेहतर उत्पादन हासिल कर सकते हैं.

अरहर की दाल भारतीय रसोई का अहम हिस्सा मानी जाती है और बाजार में इसकी मांग पूरे साल बनी रहती है. ऐसे में किसानों के लिए यह नकदी फसल के रूप में भी उभर रही है.

विशेषज्ञों के अनुसार, अरहर की खेती कम पानी वाले इलाकों में भी आसानी से की जा सकती है. इसके अलावा यह मिट्टी की उर्वरता बनाए रखने में भी मदद करती है, जिससे अगली फसल को फायदा मिलता है. अरहर की खेती के लिए अच्छी जल निकासी वाली दोमट मिट्टी सबसे उपयुक्त मानी जाती है. खेत तैयार करते समय मिट्टी को भुरभुरी बनाना जरूरी होता है, ताकि पौधों की जड़ें अच्छी तरह विकसित हो सकें. बुवाई से पहले खेत में गोबर की सड़ी खाद डालने से उत्पादन बेहतर होता है.

किसानों को उन्नत और रोग प्रतिरोधक बीजों का चयन करने की सलाह दी जाती है. खरीफ सीजन में जून से जुलाई के बीच अरहर की बुवाई सबसे उपयुक्त मानी जाती है. बीजों की बुवाई कतारों में करनी चाहिए, ताकि पौधों को पर्याप्त जगह मिल सके.

अरहर की फसल में ज्यादा सिंचाई की जरूरत नहीं होती, लेकिन शुरुआती दिनों में नमी बनाए रखना जरूरी होता है. बारिश कम होने की स्थिति में हल्की सिंचाई फसल के विकास में मदद करती है. साथ ही खेत में खरपतवार नियंत्रण पर भी ध्यान देना जरूरी है, क्योंकि इससे पौधों की ग्रोथ प्रभावित हो सकती है. समय-समय पर फसल की निगरानी करते रहना चाहिए, ताकि कीट और रोगों से बचाव किया जा सके.

तेज गर्मी में बकरियों का रखें खास ध्यान

गर्मियों का मौसम इंसानों के साथ-साथ पशुओं के लिए भी बड़ी चुनौती लेकर आता है. तेज धूप, गर्म हवाएं और लगातार बढ़ता तापमान बकरियों की सेहत पर गंभीर असर डालता है. खासकर बकरी पालन करने वाले किसानों के लिए यह समय बेहद सावधानी बरतने वाला होता है, क्योंकि बकरियां गर्मी को ज्यादा देर तक सहन नहीं कर पातीं और जल्दी ही हीट स्ट्रोक का शिकार हो जाती हैं.

कई बार थोड़ी सी लापरवाही उनकी जान पर भारी पड़ सकती है. गर्मियों में बकरियों के शरीर का तापमान तेजी से बढ़ने लगता है. यदि समय रहते उन्हें राहत नहीं मिलती, तो वे सुस्त पड़ जाती हैं, खाना-पीना छोड़ देती हैं और सांस लेने में तकलीफ होने लगती है. गंभीर स्थिति में उनकी मौत तक हो सकती है. ऐसे में पशुपालकों को गर्मी के मौसम में विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी जाती है. बकरियों को हमेशा ठंडी और हवादार जगह पर रखना चाहिए. दिन के समय उन्हें सीधे धूप में चराने के बजाय सुबह और शाम के समय बाहर निकालना ज्यादा सुरक्षित माना जाता है.

दोपहर की तेज धूप में बाहर रहने से हीट स्ट्रोक का खतरा कई गुना बढ़ जाता है. इसके अलावा पशु शेड में पर्याप्त छांव और हवा की व्यवस्था होना बेहद जरूरी है. गर्मी के मौसम में साफ और ठंडा पानी बकरियों के लिए सबसे जरूरी चीज माना जाता है.

गर्मियों में थोड़ी सी सावधानी और सही देखभाल से बकरियों को गंभीर बीमारियों और हीट स्ट्रोक से बचाया जा सकता है. सही समय पर पानी, छांव और संतुलित आहार देने से पशु स्वस्थ रहते हैं और पशुपालकों को आर्थिक नुकसान से भी राहत मिलती है.

गर्मी में किचन वेस्ट करेगा कमाल

सब्जियों के छिलकों से मिट्टी को मिलेंगे पोषक तत्व

गर्मियों के मौसम में किचन से निकलने वाला जैविक कचरा सिर्फ बेकार चीज नहीं, बल्कि आपके गार्डन और पौधों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है. अक्सर लोग सब्जियों के छिलके, फलों के बचे हिस्से, चायपत्ती और अन्य ऑर्गेनिक वेस्ट को कूड़े में फेंक देते हैं, जबकि यही किचन वेस्ट मिट्टी की उर्वरता बढ़ाने का सबसे आसान और प्राकृतिक तरीका बन सकता है.

बढ़ती गर्मी में पौधों को ज्यादा पोषण और नमी की जरूरत होती है, ऐसे में घर पर बनी ऑर्गेनिक खाद मिट्टी को मजबूत बनाती है और पौधों की ग्रोथ को तेजी देती है. किचन वेस्ट से बनी खाद मिट्टी में जरूरी सूक्ष्म पोषक तत्व जोड़ती है, जिससे पौधे ज्यादा हरे-भरे और स्वस्थ दिखते हैं. इतना ही नहीं, यह तरीका पर्यावरण संरक्षण में भी मददगार साबित हो रहा है, क्योंकि इससे घर का गीला कचरा कम होता है और केमिकल फर्टिलाइजर पर निर्भरता भी घटती है. कम खर्च और आसान प्रक्रिया के कारण अब शहरों में लोग तेजी से इस तकनीक को अपना रहे हैं.

गर्मियों में मिट्टी जल्दी सूख जाती है, जिससे पौधों की जड़ों को पर्याप्त पोषण नहीं मिल पाता. ऐसे में किचन वेस्ट से तैयार ऑर्गेनिक खाद मिट्टी की नमी बनाए रखने में मदद करती है.६ सब्जियों और फलों के छिलकों में मौजूद प्राकृतिक मिनरल्स मिट्टी को अंदर से मजबूत बनाते हैं. खास बात यह है कि इस खाद को तैयार करने के लिए किसी महंगे उपकरण की जरूरत नहीं होती. घर के किसी कोने में एक छोटा डब्बा या बाल्टी रखकर आसानी से कंपोस्ट तैयार की जा सकती है.

आज के समय में जब लोग टेरेस गार्डनिंग और होम गार्डनिंग की तरफ तेजी से आकर्षित हो रहे हैं, तब किचन वेस्ट का सही इस्तेमाल पर्यावरण और स्वास्थ्य दोनों के लिए फायदेमंद साबित हो सकता है. छोटे-छोटे प्रयास न सिर्फ घर की हरियाली बढ़ा सकते हैं, बल्कि स्वच्छ और टिकाऊ जीवनशैली की दिशा में भी बड़ा कदम बन सकते हैं.